



वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

संख्या- प.वि.वि.प्राप्तवाक्य-एफ- 120069

दिनांक- 29.09.2006

14112120

सेवा मे.

मी. हुमें इन्होंने दिए गए नीचे लिखे गए निम्न
मानकीय दिए गए नामोंमें, निम्न, छोटनाम आदि
बोल्ड होना।

नोट्स,

मेरी दिनांक- 29.09.2006 के अध्ययन समाप्तिकार के अपना आपको **जारी रखा**

किया गे..... गढ़ दिवाक-..... रे दिवाक-..... रु. रु. 100/- का
सार समाप्ति, जो भी पहले हो) तक के लिये संविधा पर नियुक्ति किया जाता है। संविधा की
अधिक समाप्त होने के पश्चात् अलग से कोई आदेश किया नहीं होता।

2. आपकी नियुक्ति योगदान तिथि से प्राप्ती होती है।
3. आपको रु. **6000/-00/- भारत रुपार** नियमत आवंटन प्रति माह देव सेवा
और इसके अतिरिक्त कोई भी अन्य अन्य देव नहीं होते।
4. जारीकार गहन काले समय रु. 20/- ग्रन्थ के गैर व्याधिक स्ट्रेप पेरार पर संविधा
पर पर हस्ताक्षर करना होता, जिसमें आपकी जोड़ी जाती कागदें हैं।
5. अपठेक्षण नियुक्ति के आवार पर आप सेवा की विवरणाता या भविष्य में किसी पद पर¹
विविधनितीकरण का कोई दावा मान्य नहीं होता।
6. यह नियुक्ति विना कोई कारण कानूनी समाप्ति जी तक सकली है। इस विषय में
कुलपति का विनाश अविनाश बना जातेगा।
7. किसी दिवस पर अनुपस्थित रुप्ते पर अद्यता विश्वविद्यालय में पठन-पाठ्य कार्य ज
करने पर अधिकार रु. 300/- की दर से संविधा पवारिति में से कठोरी की जायेगी।
8. आप दिनांक- **29.12.2006** तक अपना जारीकार गहन कर से, अवश्यक की
स्थिति में यह आदेश स्वतः ही विरक्त हो जायेगा।

कार्यकारी आयोगिय

पर विनाश - - - -

कुलपति

दिनांक 29/12/06

महाराजा

कुलपति

प्रतिलिपि - - नियमान्विति को सूचनावार्ता एवं अवश्यक कार्यवाही हेतु प्रसिद्ध-

1. नियमी संविधा कुलपति, कुलपति जी के संग्राहालय।
2. आनुलिपिक वित अधिकारी, वित अधिकारी महोदय को सूचना।
3. सामग्री कुलपति (प्रशासन)।
4. विभागाधारा - **विश्वविद्यालयीन संस्थान।**
5. स्वितगत प्रबालगी।

Ref No:-

V.B.S. Purvanchal University
Jaunpur

कुलपति